

अतिरिक्त विशिष्ट प्रावधानों को बनाए रखने के लिए उदाहरण (सामान्य प्रावधानों के अतिरिक्त)

अवसंरचना परियोजनाएं	गैर-अवसंरचना परियोजनाएं (सीआरई और सीआरई-आरएच सहित)
<p>उदाहरण 1</p> <p>निधिक बकाया – ₹1000 करोड़</p> <p>मूल डीसीसीओ – 01 जनवरी 2026</p> <p>विस्तारित डीसीसीओ – 01 अप्रैल 2026</p> <p>बनाए रखने योग्य विशिष्ट प्रावधानों की मात्रा – ₹3.750 करोड़</p>	<p>उदाहरण 1</p> <p>निधिक बकाया – ₹1000 करोड़</p> <p>मूल डीसीसीओ – 01 जनवरी 2026</p> <p>विस्तारित डीसीसीओ – 01 अप्रैल 2026</p> <p>बनाए रखने योग्य विशिष्ट प्रावधानों की मात्रा – ₹5.625 करोड़</p>
<p>उदाहरण 2</p> <p>निधिक बकाया – ₹1000 करोड़</p> <p>मूल डीसीसीओ – 01 जनवरी 2026</p> <p>विस्तारित डीसीसीओ – 01 अप्रैल 2027</p> <p>बनाए रखने योग्य विशिष्ट प्रावधानों की मात्रा – ₹18.750 करोड़</p>	<p>उदाहरण 2</p> <p>निधिक बकाया – ₹1000 करोड़</p> <p>मूल डीसीसीओ – 01 जनवरी 2026</p> <p>विस्तारित डीसीसीओ – 01 अप्रैल 2027</p> <p>बनाए रखने योग्य विशिष्ट प्रावधानों की मात्रा – ₹28.125 करोड़</p>
<p>उदाहरण 3</p> <p>निधिक बकाया - ₹ 1000 करोड़</p> <p>मूल डीसीसीओ - 01 जनवरी 2026</p> <p>विस्तारित डीसीसीओ - 01 अप्रैल 2029</p> <p>आस्ति वर्गीकरण - एनपीए</p> <p>बनाए रखने योग्य विशिष्ट प्रावधानों की मात्रा - ₹ 150 करोड़</p>	<p>उदाहरण 3</p> <p>निधिक बकाया - ₹ 1000 करोड़</p> <p>मूल डीसीसीओ - 01 जनवरी 2026</p> <p>विस्तारित डीसीसीओ - 01 अप्रैल 2028</p> <p>आस्ति वर्गीकरण - एनपीए</p> <p>बनाए रखने योग्य विशिष्ट प्रावधानों की मात्रा - ₹ 150 करोड़</p>